गुरु

GURU

'गुरु' पृथ्वी पर परमात्मा का अवतरण है।
'गुरु' स्वयं तिरते हैं एवं दूसरों को तिराने में समर्थ होते हैं।
'गुरु' राग का त्याग करवाकर क्रमशः त्याग, वैराग्य एवं वीतराग पद की प्राप्ति कराते हैं।
ऐसे अनन्त उपकारी 'सद्गुरु' के जीवन का हर पल हमारे लिए पूज्यनीय है, वंदनीय है, स्मरणीय है
'गुरु' की साधना के शुभ दिन पर्व समान है जिसे हमें आराधना करते हुए मनाना चाहिए।
'गुरु' के पर्व दिनों की आराधना हमें विशिष्ट ऊर्जा प्रदान करती है।
अतः इन आराध्य दिनों को सदैव स्मरण में रखना है।

-मुनि निपुणरत्न विजय

NAKODA GRAPHICS
8433071608 9319211569

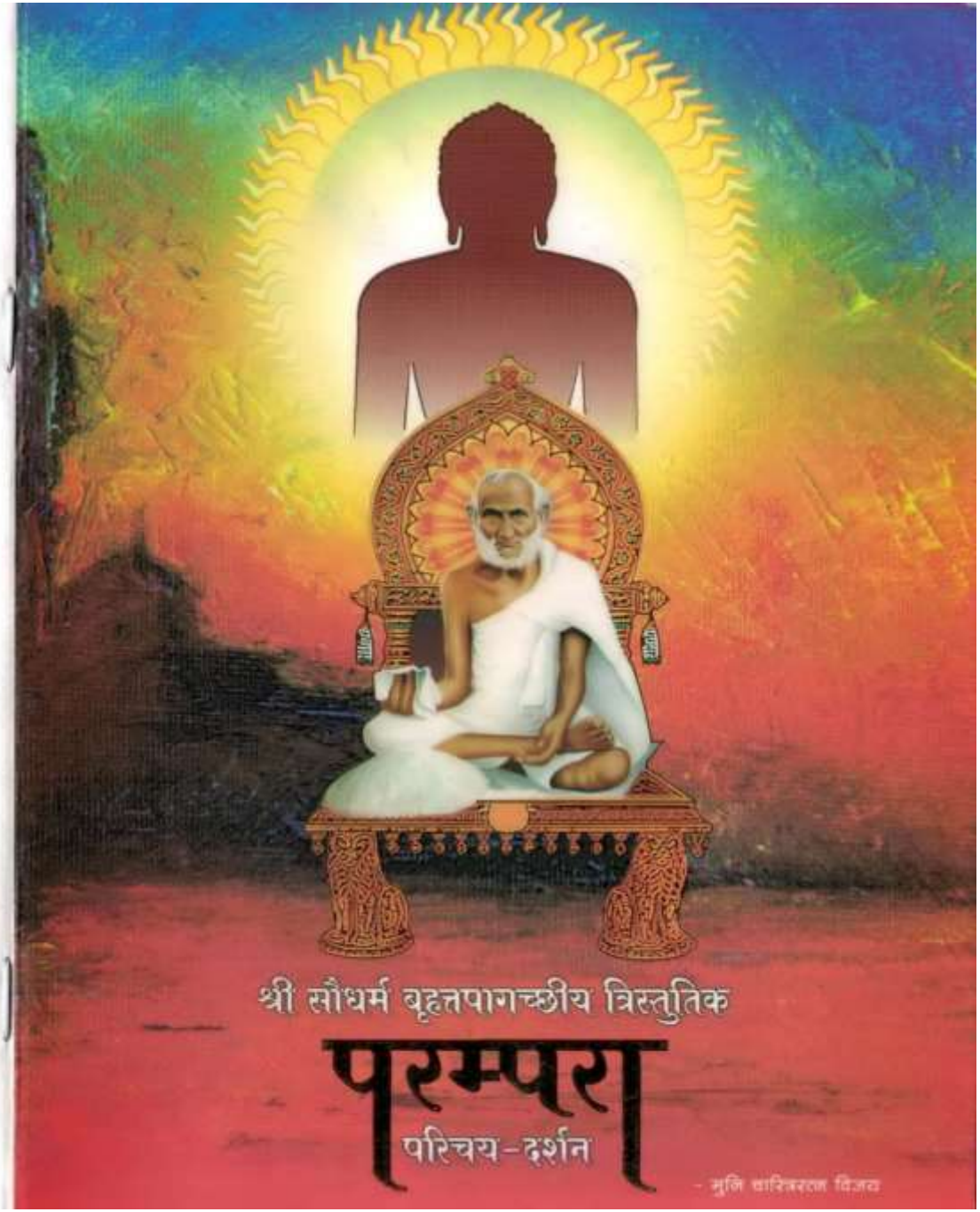

श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक

परम्परा

परिचय-दर्शन

- मुनि चारित्ररत्न विजय

शासनाधिपति करुणानिधान

भगवान महावीर स्वामी

गुरुदेवो भव

Parampara

श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक

परम्परा

परिचय-दर्शन

- मुनि चारित्ररत्न विजय

प्रस्तावना
prastavna ...

जैन शासन में आचार्यों का स्थान तीर्थंकर भगवान से दूसरे स्थान पर आता है। क्योंकि जिस समय भव्यात्माओं को मोक्ष मार्ग दिखाकर तीर्थंकर परमात्मा अजरामर पद को प्राप्त करते हैं। उस समय उनके विरह काल में द्वादशांगी रूप सम्पूर्ण प्रवचन को और जैन संघ के उत्तरदायित्व को आचार्य देव ही धारण करते है। भगवान महावीर के महान और पवित्र शासन में समय-समय पर अनेक गण कुल और गच्छ आदि प्रकट हुए, जो कल्पसूत्र की स्थविरावली में विवरण है।

जयवन्त जैन शासन कि विभिन्न परम्परा वर्तमान में चल रही है। समय के साथ कितनी परम्परा का उदय हुआ, और अल्प समय में अस्त भी हो गई। लेकिन त्रिस्तुतिक सिद्धान्त यानी तीर्थंकर प्रतिपादित सिद्धान्त देव गुरु और धर्म पर श्रद्धा, आस्था एवं विश्वास पर अटल चलने वाली परम्परा में श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक परम्परा जैन शासन की प्राचीन उन्नत एवं गरिमामय अखण्ड परम्परा है। वैसे सम्पूर्ण पाट परम्परा का प्रकाशन अल्प प्रकाशित होने से विभिन्न प्रसंगों पर पाट परम्परा के आलेखन में क्रम की सही जानकारी प्रकाशित नहीं हो पाती है।

प्रस्तुत प्रकाशन में पाट परम्परा की सम्पूर्ण पट्टावली एवं इस परम्परा के तीन शतक में हुए आचार्य भगवंतों का संक्षिप्त परिचय का आलेखन किया है। वर्तमान समय में गुरु परम्परा के परिचय में चैत्र एवं कार्तिक सम्वत् के साथ वदी पक्ष के भी दोनों प्रचलन का आलेखन किया गया है, एवं दिनांक का भी उपयोग किया है।

इस तरह का आलेखन गुरु परम्परा में प्रथम बार प्रकाशित हो रहा है, पूर्व में अनेक प्रकाशनों में सम्वत् और तिथि की जानकारी में कार्तिक और चैत्र सम्वत् का एवं वदी पक्ष में गुजराती और मारवाडी तिथि के प्रचलन के कारण कालगणना में भिन्नता नजर आती है, इन परिस्तिथि को समक्ष रखकर इसका आलेखन किया है, इसका प्रकाशन इतिहास एवं गुरु गच्छ के लिए महत्वपूर्ण बने यही मंगल कामना...।

-मुनि चारित्ररत्न विजय

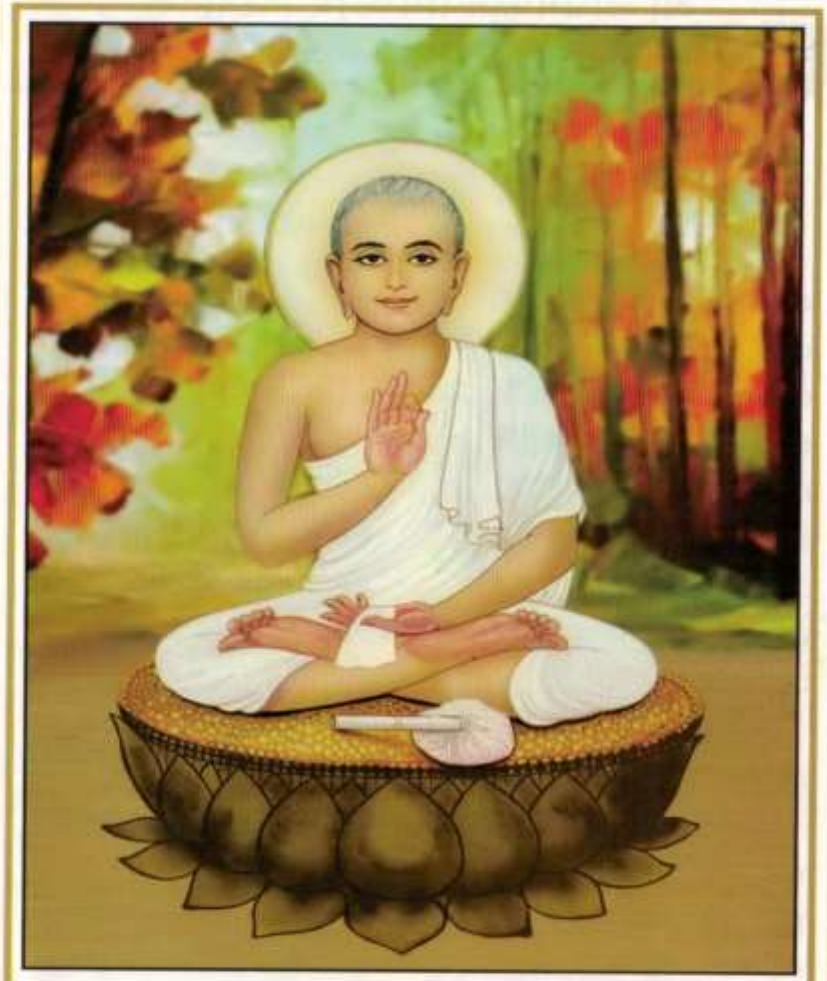

परम्परा उन्नायक
आर्य सुधर्मास्वामी

श्री सौधर्मबृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक

पाट-परम्परा

०१. श्री सुधर्मा स्वामीजी
०२. श्री जम्बू स्वामीजी
०३. श्री प्रभव स्वामीजी
०४. श्री शय्यंभव सूरिजी
०५. श्री यशोभद्र सूरिजी
०६. श्री सम्भूतिविजय सूरिजी
श्री भद्रबाहु स्वामीजी
०७. श्री स्थूलिभद्र सूरिजी
०८. श्री महागिरिजी
श्री सुहस्ति सूरिजी
०९. श्री सुस्थित सूरिजी
श्री सुप्रतिबद्ध सूरिजी
१०. श्री इंद्रदिन्न सूरिजी
११. श्री दिन्नसूरिजी
१२. श्री सिंहगिरि सूरिजी
१३. श्री वज्रस्वामीजी
१४. श्री वज्रसेनसूरिजी
१५. श्री चन्द्रसूरिजी
१६. श्री सामन्तभद्रसूरिजी
१७. श्री वृद्धदेवसूरिजी
१८. श्री प्रद्योतनसूरिजी
१९. श्री मानदेवसूरिजी (प्रथम)
२०. श्री मानतुंगसूरिजी
२१. श्री वीरसूरिजी
२२. श्री जयदेवसूरिजी
२३. श्री देवानन्दसूरिजी
२४. श्री विक्रमसूरिजी
२५. श्री नरसिंहसूरिजी
२६. श्री समुद्रसूरिजी
२७. श्री मानदेवसूरिजी (द्वितीय)
२८. श्री विबुधप्रभसूरिजी
२९. श्री जयानन्दसूरिजी
३०. श्री रविप्रभसूरिजी
३१. श्री यशोदेवसूरिजी
३२. श्री प्रद्युम्नसूरिजी
३३. श्री मानदेवसूरिजी
३४. श्री विमलचन्द्रसूरिजी
३५. श्री उद्योतनसूरिजी
३६. श्री सर्वदेवसूरिजी
३७. श्री देवसूरिजी
३८. श्री सर्वदेवसूरिजी
३९. श्री यशोभद्रसूरिजी
श्री नेमीचंद्रसूरिजी
४०. श्री मुनिचन्द्रसूरिजी
४१. श्री अजितदेवसूरिजी
४२. श्री विजयसिंहसूरिजी
४३. श्री सोमप्रभसूरिजी
श्री मणिरत्नसूरिजी
४४. श्री जगच्चन्द्रसूरिजी
४५. श्री देवेन्द्रसूरिजी
श्री विद्यानन्दसूरिजी
४६. श्री धर्मघोषसूरिजी
४७. श्री सोमप्रभसूरिजी
४८. श्री सोमतिलकसूरिजी
४९. श्री देवसुन्दरसूरिजी
५०. श्री सोमसुंदरसूरिजी
५१. श्री मुनिसुंदरसूरिजी
५२. श्री रत्नशेखर सूरिजी
५३. श्री लक्ष्मीसागरसूरिजी
५४. श्री सुमतिसाधुसूरिजी
५५. श्री हेमविमलसूरिजी
५६. श्री आनंदविमलसूरिजी
५७. श्री दानसूरिजी
५८. श्री हीरविजयसूरिजी
५९. श्री सेनसूरिजी
६०. श्री देवसूरिजी
६१. श्री सिंहसूरिजी
६२. श्री प्रभसूरिजी
६३. श्री रत्नसूरिजी
६४. श्री वृद्धक्षमासूरिजी
६५. श्री देवेन्द्रसूरिजी
६६. श्री कल्याणसूरिजी
६७. श्री प्रमोदसूरिजी
६८. श्री राजेन्द्रसूरिजी
६९. श्री धनचन्द्रसूरिजी
७०. श्री भूपेन्द्रसूरिजी
७१. श्री यतीन्द्रसूरिजी
७२. श्री विद्याचन्द्रसूरिजी
७३. श्री जयन्तसेनसूरिजी
७४. श्री नित्यसेनसूरिजी
श्री जयरत्नसूरिजी

यशस्वी परम्परा

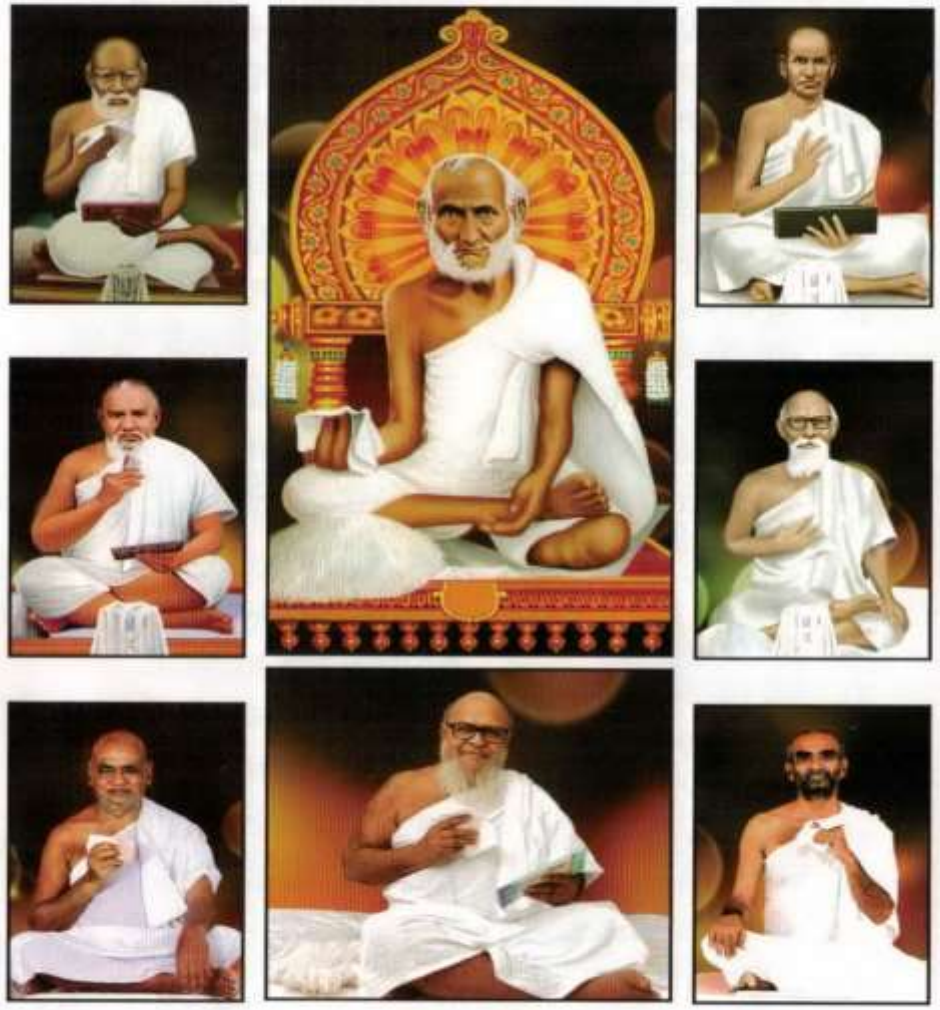

यशस्वी पाट परम्परा को वंदना

सौधर्मबृहत्तपागच्छ में, क्रियोद्धार गुरु ने कराया ।
सूरि राजेन्द्र गुरुदेव ने, जग में नाम कमाया ।।

पट्टधर सूरि धनचन्द्र, चर्चा चक्रवर्ती पद पाया।
शांत मूर्ति सूरि भूपेन्द्र, साहित्य जग के राया।।

सूरि यतीन्द्र ने गुरु कृपा से, गुरु गच्छ को दिपाया।
विद्याचन्द्रसूरि गुरुवर ने, गुरु ध्यान लगाया।।

साहित्य या शासन प्रभावना, इतिहास गुरु ने बनाया।
पुण्य सम्राट गुरु जयन्तसेन, विश्व में नाम है छाया।।

गुरु जयन्त के युगल पट्टधर, गच्छ की शान बढ़ाये।
नित्यसेनसूरि संग जयरत्नसूरि, वर्तमान में सुहाये।।

गुरु गच्छ की पाट परम्परा, यशस्वी जग में कहाये।
गुरु चरणों में नतमस्तक, मुनि चारित्र अपना शीष नमाये।।

आचार्य श्रीमद् राजेन्द्रसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	-	आचार्य श्रीमद् राजेन्द्रसूरिजी म.सा.
जन्म नाम	-	रत्नराज
जन्म तिथि	-	पौष सुदी ७ (सातम) १८८३
जन्म दिनांक	-	४-१-१८२७, गुरूवार
जन्म स्थल	-	भरतपुर (राज.)
पिताश्री	-	ऋषभदास
माताश्री	-	केशर देवी
गौत्र	-	पारख
मुनि नाम	-	मुनिश्री रत्नविजय म.सा.
दीक्षा तिथि	-	वैशाख सुदी ५ (पंचमी) १९०४ (कार्तिक सं. १९०३)
दीक्षा दिनांक	-	१९-४-१८४७, सोमवार
दीक्षा स्थल	-	उदयपुर (राज.)
गुरु नाम	-	आचार्य श्रीमद् प्रमोदसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	-	वैशाख सुदी ३ (त्रीज)१९०९ (कार्तिक सं. १९०८)
बड़ी दीक्षा दिनांक	-	२२.४.१८५२, गुरूवार
बड़ी दीक्षा स्थल	-	उदयपुर (राज.)
आचार्य पद नाम	-	आचार्य श्रीमद् राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	-	वैशाख सुद ५ (पंचमी) १९२४ (कार्तिक सं. १९२३)
आचार्य पद दिनांक	-	८-५-१८६७, बुधवार
आचार्य पद स्थल	-	आहोर (राज.)
कालधर्म तिथि	-	पौष सुदी ६ (छट्ठ) १९६३ (रात्रि ८ बजे)
कालधर्म दिनांक	-	२१-१२-१९०६, शुक्रवार
अंतिम संस्कार तिथि	-	पौष सुदी ७ (सातम) १९६३
अंतिम संस्कार दिनांक	-	२२.१२.१९०६, शनिवार
समाधि मंदिर	-	मोहनखेड़ा तीर्थ, (म.प्र.)
कुल आयु	-	७९ वर्ष, ११ महिना, १६ दिन

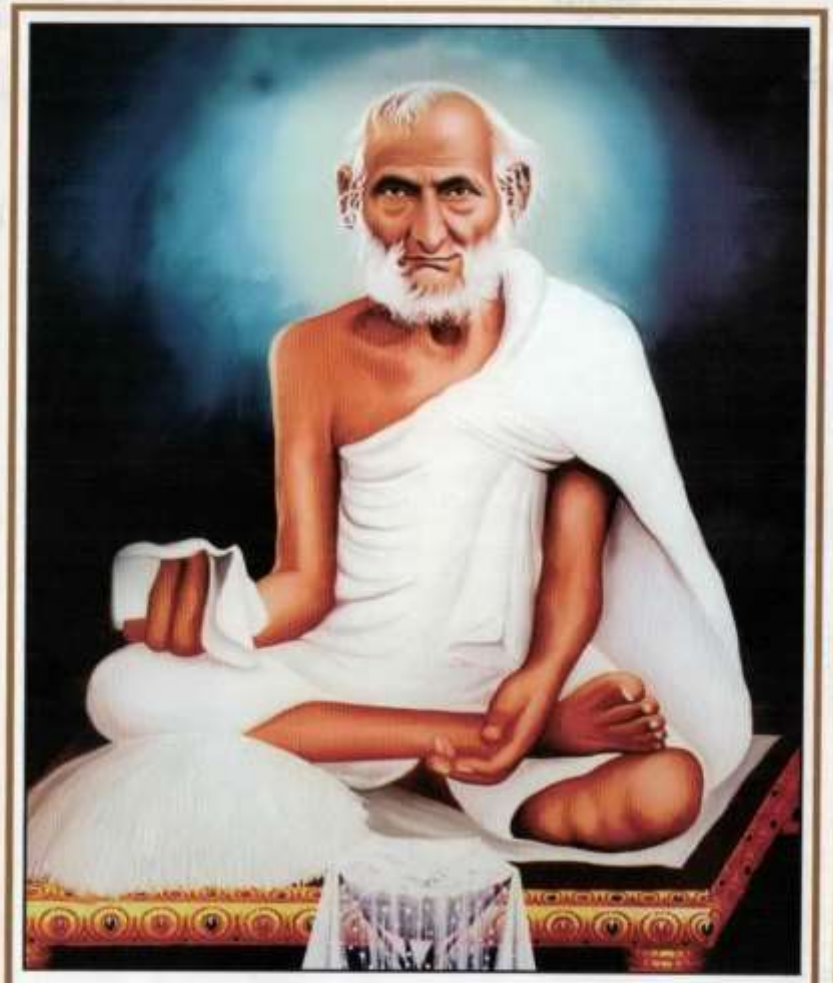

प्रातःस्मरणीय गुरुदेव

श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् भूपेन्द्रसूरिजी परिचय

नाम	-	आचार्य श्रीमद् भूपेन्द्रसूरीश्वरजी म.
जन्म नाम	-	देवीचन्दजी
जन्म तिथि	-	वैशाख सुदी ३ (तीज) १९४४ (कार्तिक सं. १९४३)
जन्म तारीख	-	२६.४.१८८७, मंगलवार
जन्म स्थल	-	भोपाल, (म.प्र.)
पिताश्री	-	भगवानजी
माताश्री	-	सरस्वती देवी
गोत्र	-	माली
मुनि नाम	-	मुनिश्री दीप विजयजी
दीक्षा तिथि	-	वैशाख सुद ३ (त्रिज) १९५२ (कार्तिक सं. १९५१)
दीक्षा दिनांक	-	२७.४.१८९५, शनिवार
दीक्षा स्थल	-	आलिराजपुर (म.प्र.)
गुरु नाम	-	आचार्य श्रीमद् राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	-	महा सुदी ५ (पंचमी) १९५४
बड़ी दीक्षा दिनांक	-	२६.१.१८९८, बुधवार
बड़ी दीक्षा स्थल	-	आहोर (राज.)
आचार्य पद नाम	-	आचार्य श्रीमद् भूपेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	-	द्वि.ज्येष्ट सुदी ८ (अष्टमी) १९८० (का. सं. १९७९)
आचार्य पद दिनांक	-	२२.६.१९२३, शुक्रवार
आचार्य पद स्थल	-	जावरा (म.प्र.)
कालधर्म तिथि	-	माघ सुदी ७ (सप्तमी) १९९३
कालधर्म दिनांक	-	१७.२.१९३७, बुधवार
समाधि मंदिर	-	आहोर (राज.)
अंतिम संस्कार तिथि	-	माघ सुदी ७ (सप्तमी) १९९३
अंतिम संस्कार दिनांक	-	१७.२.१९३७, बुधवार
कुल आयु	-	४९ वर्ष, ९ महिना, २२ दिन

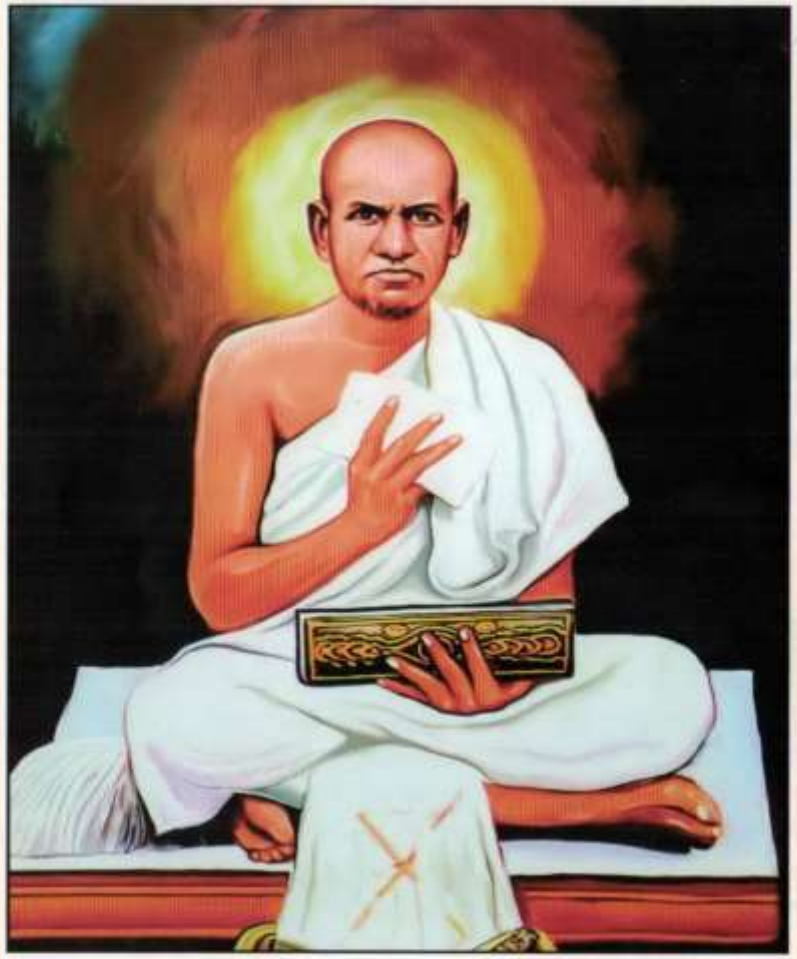

साहित्य विशारद आचार्य

श्रीमद् भूपेन्द्रसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	-	आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरि म.सा.
जन्म नाम	-	रामरत्नजी
जन्म तिथि	-	कार्तिक सुदी २ (दूज) १९४०
जन्म तारीख	-	२.१२.१८८३, शुक्रवार
जन्म स्थल	-	धवलपुर (राज.)
पिताश्री	-	वृजलालजी
माताश्री	-	चम्पादेवीजी
गोत्र	-	जैसवाल
मुनि नाम	-	मुनिश्री यतीन्द्र विजय जी
दीक्षा तिथि	-	आषाढ़ वदी २ (दूज) १९५४ (कार्तिक सं. १९५३)
दीक्षा दिनांक	-	१६.६.१८९७, बुधवार
दीक्षा स्थल	-	खाचरौद , (म.प्र.)
गुरु नाम	-	आचार्य श्रीमद् राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	-	माघ सुदी ५ (पंचमी) १९५४
बड़ी दीक्षा दिनांक	-	२६.१.१८९८, बुधवार
बड़ी दीक्षा स्थल	-	आहोर (राज.)
आचार्य पद नाम	-	आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	-	वै. सुदी १० (दशमी) १९९५ (कार्तिक सं. १९९४)
आचार्य पद दिनांक	-	९.५.१९३८, सोमवार
आचार्य पद स्थल	-	आहोर (राज.)
कालधर्म तिथि	-	पौष सुद २ (दूज) २०१७ (रात्रि)
कालधर्म दिनांक	-	२०.१२.१९६०, मंगलवार
अंतिम संस्कार तिथि	-	पौष सुद ४ (चौथ) २०१७
अंतिम संस्कार दिनांक	-	२१.१२.१९६०, बुधवार
समाधि मंदिर	-	मोहनखेड़ा तीर्थ (म.प्र.)
कुल आयु	-	७७ वर्ष, १८ दिन

व्याख्यान वाचस्पति आचार्य

श्रीमद् यतीन्द्रसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् विद्याचन्द्रसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	- आचार्य श्रीमद् विद्याचन्द्रसूरि म.सा.
जन्म नाम	- बहादुर सिंह
जन्म तिथि	- पौष सुद १ (एकम) १९५७
जन्म तारीख	- २२.१२.१९००,शनिवार
जन्म स्थल	- जोधपुर (राज.)
पिताश्री	- गिरधारीसिंहजी
माताश्री	- सुंदर कुंवरजी
गोत्र	- राठौर (राजपूत)
मुनि नाम	- मुनिश्री विद्याविजयजी म.सा.
दीक्षा तिथि	- माघ सुदी ११ (एकादशी) १९७९
दीक्षा दिनांक	- २८-१-१९२३, रविवार
दीक्षा स्थल	- जावरा (म.प्र.)
गुरु नाम	- आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	- माघ सुदी ५ (पंचमी) १९८०
बड़ी दीक्षा दिनांक	- ९.२.१९२४, शनिवार
बड़ी दीक्षा स्थल	- रतलाम (म.प्र.)
आचार्य पद नाम	- आचार्य श्रीमद् विद्याचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	- फाल्गुन सुदी ३ (तीज), २०२०
आचार्य पद दिनांक	- १६.२.१९६४, रविवार
आचार्य पद स्थल	- मोहनखेड़ा (म.प्र.)
कालधर्म तिथि	- आषाढ़ सुद ६ (छट्ठ) २०३७ (कार्तिक सं. २०३६)
कालधर्म दिनांक	- १८.७.१९८०, शुक्रवार (रात्रि)
अंतिम संस्कार तिथि	- आषाढ़ सुद ८ (आठम) २०३७ (कार्तिक सं. २०३६)
अंतिम संस्कार दिनांक	- २०.७.१९८०, रविवार
समाधि मंदिर	- मोहनखेड़ा तीर्थ (म.प्र.)
कुल आयु	- ७९ वर्ष, ६ महिना, २६ दिन

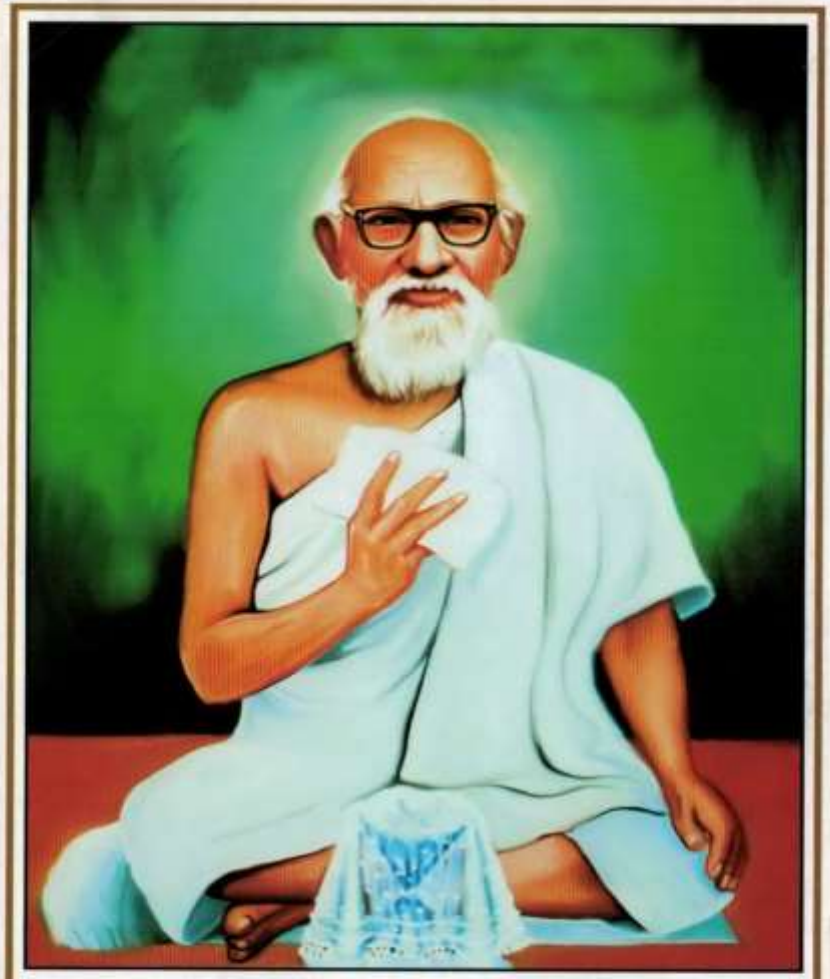

कविहृदय आचार्य

श्रीमद् विद्याचन्द्रसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	-	आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
जन्म नाम	-	पूनमचंदजी
जन्म तिथि	-	मगसर वदी १३ (तेरस) १९९३. गुजराती तिथि-कार्तिक वदी १३
जन्म तारीख	-	११.१२.१९३६, शुक्रवार
जन्म स्थल	-	पेपराल (गुजरात)
पिताश्री	-	स्वरूपचंदजी
माताश्री	-	पार्वती देवी
गोत्र	-	धरू
मुनि नाम	-	मुनिराज श्री जयंतविजयजी
दीक्षा तिथि	-	माघ सुदी ४ (चौथ) २०१०
दीक्षा दिनांक	-	७.२.१९५४, रविवार
दीक्षा स्थल	-	सियाणा (राज.)
गुरु नाम	-	आचार्य श्रीमद् यतीन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	-	कार्तिक सुदी ११ (एकादशी) २०१२
बड़ी दीक्षा दिनांक	-	२६.११.१९५५, शनिवार
बड़ी दीक्षा स्थल	-	राजगढ़ (म.प्र.)
आचार्य पद नाम	-	आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	-	माघ सुदी १३ (तेरस) २०४०
आचार्य पद दिनांक	-	१५.२.१९८४, बुधवार
आचार्य पद स्थल	-	भाण्डवपुर तीर्थ, (राज.)
कालधर्म तिथि	-	वैशा.वदी ५ (पंचमी)२०७४(कार्तिक सं.२०७३). (गुजराती तिथि- चैत्र वदी ५ (पंचमी)
कालधर्म दिनांक	-	१६.४.२०१७, रविवार (रात्रि ११:३० बजे)
अंतिम संस्कार तिथि	-	वैशा.वदी ७ (सप्तमी)२०७४(कार्तिक सं.२०७३). गुजराती तिथि- चैत्र वदी ७ सप्तमी
अंतिम संस्कार दिनांक	-	१८.४.२०१७, मंगलवार.
समाधि मंदिर	-	भाण्डवपुर तीर्थ (राज.)
कुल आयु	-	८० वर्ष, ४ महिना, ५ दिन

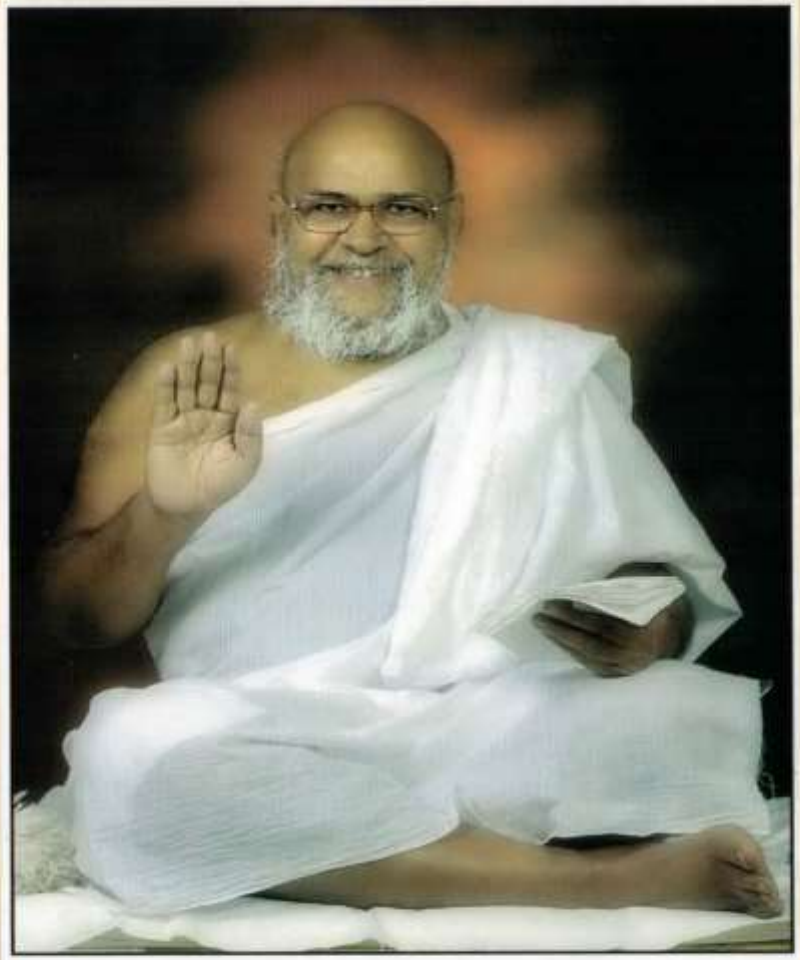

राष्ट्रसंत पुण्य सम्राट आचार्यदेव

श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् नित्यसेनसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	- आचार्य श्रीमद् नित्यसेनसूरिजी म.सा.
जन्म नाम	- बंसीलालजी
जन्म तिथि	- चैत्र वदी ६ (छट्ठ) २००६, कार्तिक सं. २००५ गुजराती तिथि- फाल्गुन वदी ६ (छट्ठ)
जन्म तारीख	- १८.०४.१९४९, सोमवार
जन्म स्थल	- राणापुर (म.प्र.)
पिताश्री	- चंपालालजी
माताश्री	- कंचनदेवी
गोत्र	- दसेडा
मुनि नाम	- मुनिश्री नित्यानंद विजयजी म.सा.
दीक्षा तिथि	- वैशाख वदी २ (दूज) २०२४, (कार्तिक सं. २०२३) गुजराती तिथि - चैत्र वदी २(दूज)
दीक्षा दिनांक	- २६-४-१९६७, बुधवार
दीक्षा स्थल	- राणापुर (म.प्र.)
गुरु नाम	- आचार्य श्रीमद् जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	- फाल्गुन सुदी ७ (सप्तमी) २०२६
बड़ी दीक्षा दिनांक	- दिनांक १५.३.१९७०, रविवार
बड़ी दीक्षा स्थल	- मोहनखेडा तीर्थ (म.प्र.)
आचार्य पद नाम	- आचार्य श्रीमद् नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	- वैशाख वदी ८ (अष्टमी),२०७४(कार्तिक सं. २०७३) गुजराती तिथि- चैत्र वदी ८ (अष्टमी)
आचार्य पद दिनांक	- १९.४.२०१७, बुधवार
आचार्य पद स्थल	- भाण्डवपुर तीर्थ (राज.)

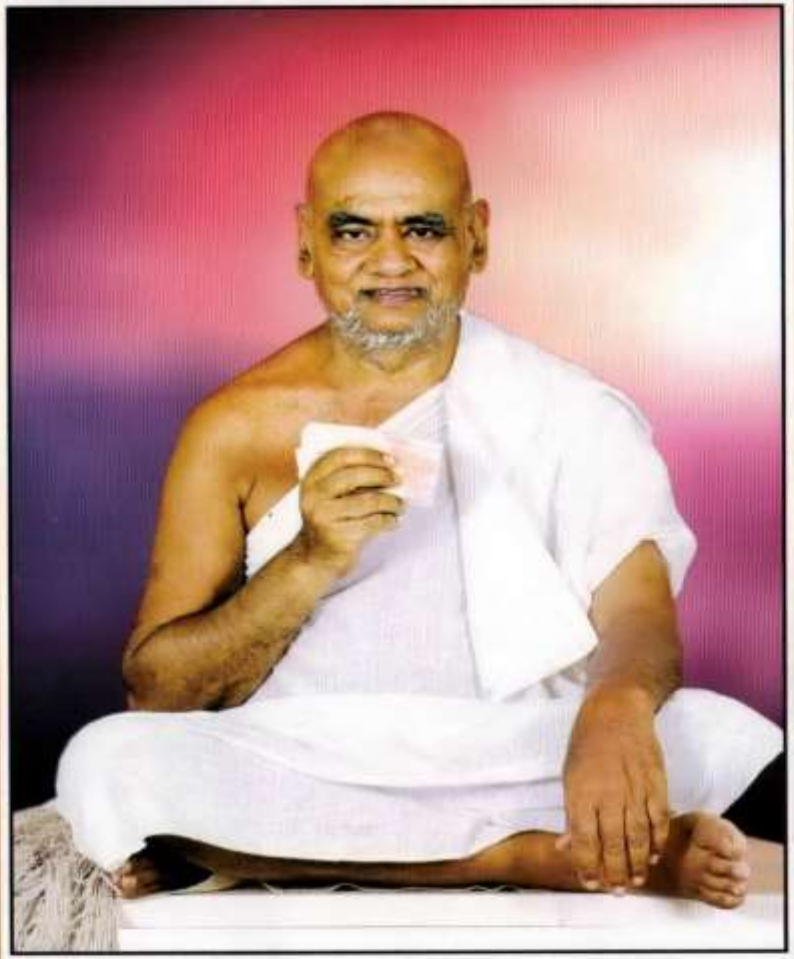

वर्तमानाचार्य गच्छाधिपति आचार्यदेव
श्रीमद् नित्यसेनसूरीश्वरजी

आचार्य श्रीमद् जयरत्नसूरिजी म.सा. परिचय

नाम	- आचार्य श्रीमद् जयरत्नसूरिजी म.सा.
जन्म नाम	- राणमलजी
जन्म तिथि	- श्रावण सुदी ३ (त्रिज) २०१६,(कार्तिक सं. २०१५)
जन्म तारीख	- ०७.०८.१९५९, शुक्रवार
जन्म स्थल	- बागरा (राज.)
पिताश्री	- सुरतानमलजी
माताश्री	- जस्सी बाई
गौत्र	- रबारी
मुनि नाम	- मुनि जयरत्न विजयजी
दीक्षा तिथि	- पौष सुदी ६ (छट्ठ) २०३१
दीक्षा दिनांक	- १८-१-१९७५, शनिवार
दीक्षा स्थल	- बागरा (राज.)
गुरू नाम	- संयम स्थविर मुनिराजश्री शांतिविजयजी म.सा.
बड़ी दीक्षा तिथि	- माघ सुदी ३ (त्रिज) २०३३
बड़ी दीक्षा दिनांक	- २२.०१.१९७७, शनिवार
बड़ी दीक्षा स्थल	- भाण्डवपुर तीर्थ (राज.)
आचार्य पद नाम	- आचार्य श्री जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा.
आचार्य पद तिथि	- वैशाख वदी ८ (अष्टमी),२०७४(कार्तिक सं. २०७३) गुजराती तिथि- चैत्र वदी ८ (अष्टमी)
आचार्य पद दिनांक	- १९.४.२०१७, बुधवार
आचार्य पद स्थल	- भाण्डवपुरतीर्थ (राज.)

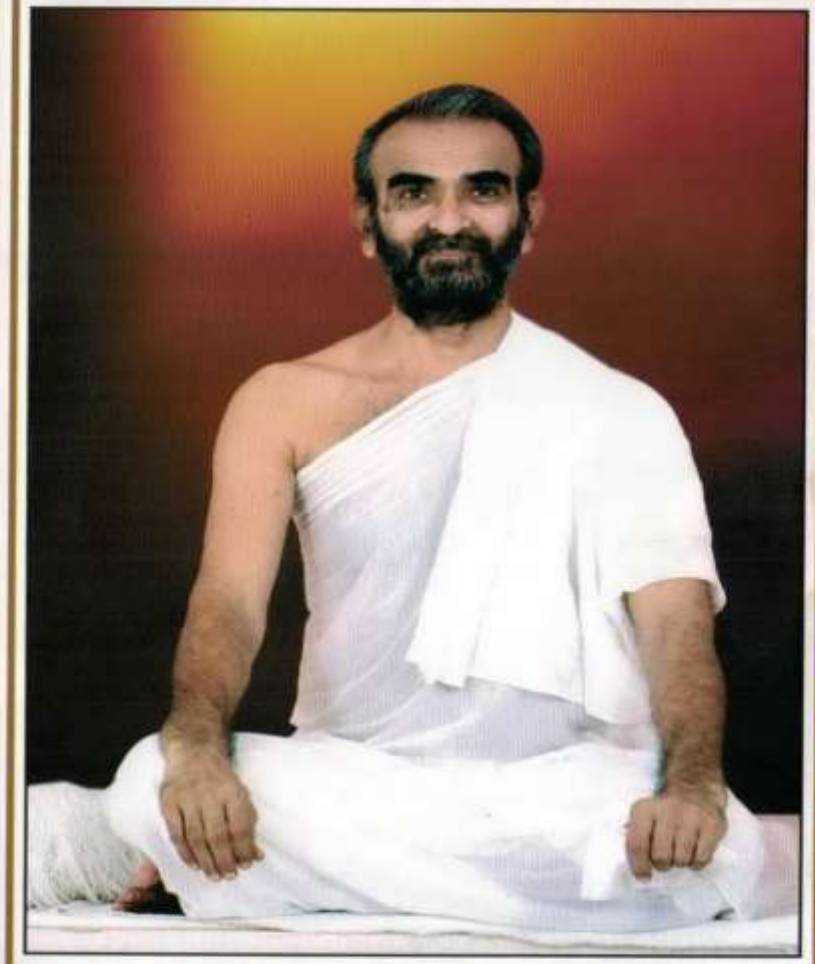

वर्तमानाचार्य आचार्यदेव

श्रीमद् जयरत्नसूरीश्वरजी

समर्पण...

सूरि राजेन्द्र के षष्ठम पट्टधर, गुरु यतीन्द्र के शिष्य महान ।
सौधर्म बृहत्तपागच्छ परम्परा में, गुरु गच्छ की बढाई शान ।।
साहित्य सर्जन अंजनप्रतिष्ठा, अनेक संघ और उपधान।
जिनशासन के कार्यों में, गुरु आपने की निश्रा प्रदान।।
तीर्थ स्थापना और जीर्णोद्धार, मुमुक्षु रत्नों को दीक्षा दान।
संस्कृति धर्म और राष्ट्ररक्षा में, प्रवाहित किया आपने प्रवचन ।।
पुण्य सम्राट के पुण्य प्रभाव का, जन-जन करे गुणगान।
गुरु को आलेखन अर्पण कर,
गुरु चरणों में मुनि चारित्र अपना शीष नमाये...

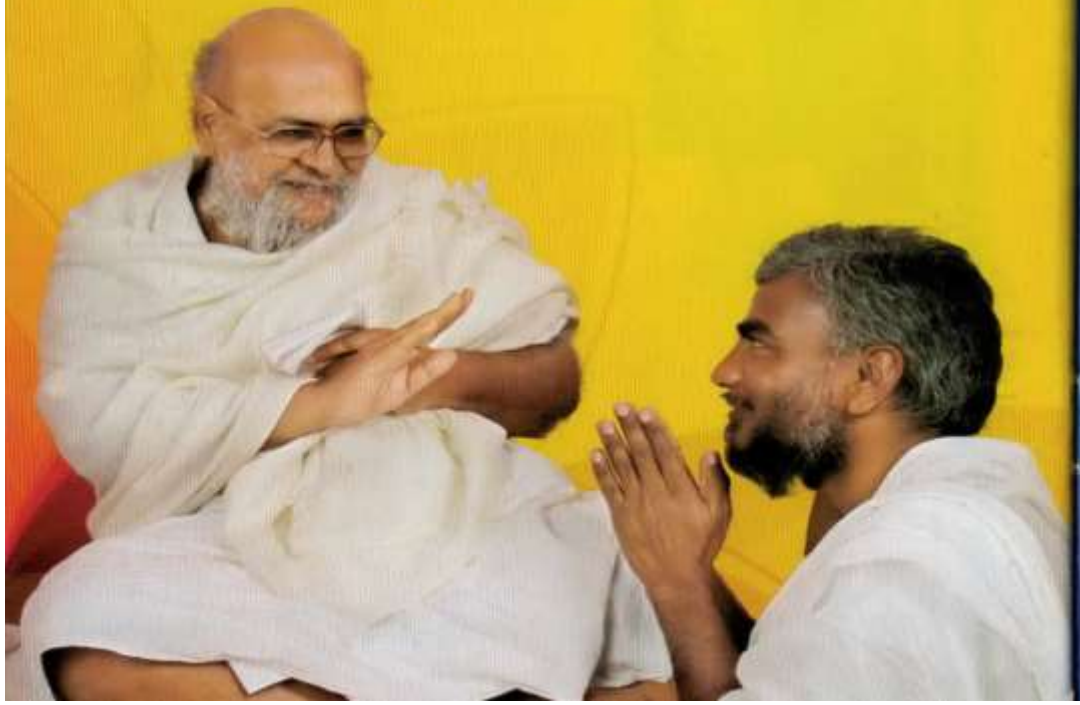

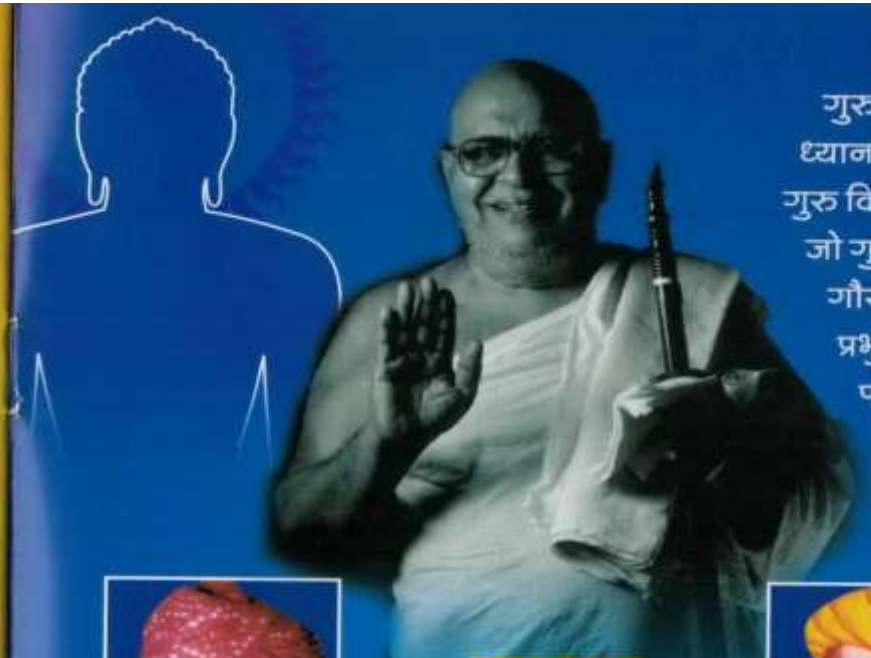

गुरु ही ज्ञान
ध्यान जय पूजा,
गुरु विधि विश्वास
जो गुरु के गुण
गौरव जाने,
प्रभु उसके
पास।।

स्व. शा. मुन्नीलालजी
कुन्दनमलजी हिराणी

सुकृत सहयोगी

मुनिश्री चारित्ररत्निवजयजी म.सा.
की प्रेरणा से

स्व. शा. मंगलचंदजी
कुन्दनमलजी हिराणी

मातु श्री कमलादेवी, मातुश्री फैन्सीदेवी
सुपुत्र : दिनेशकुमार, महावीरकुमार, राजेन्द्रकुमार, अजयकुमार,
गजेन्द्रकुमार, विनोद कुमार, अशोककुमार, दीपककुमार
पुत्रवधु: चन्द्रादेवी, मंजूदेवी, रेखादेवी, संगीतादेवी,
मीनादेवी, पिंकीदेवी, अंजनादेवी, सुमनदेवी
पौत्र: मोन्टी, रिषभ, साहिल, निलेश, आगम, रियाँस, दक्ष, पर्व
पौत्री: इसीका, अर्पिता, हिनल, रिषीता, आशी, गुड़ीया,रिद्धमा, छवि, दीया
एवं समस्त हिराणी परिवार

शा. मुन्नीलालजी मंगलचंदजी हिराणी परिवार

रेवतडा हाल चेन्नई, मुम्बई

DEEPAK TRADERS
CHENNAI

GURURAJ IMPEX (P) LTD.
MUMBAI